जिल्द—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
वसीयत स्टाम्प मालीयती शून्य किता चार 660	R.No- 165 R.F = 50.00 C.F = 3.00 Total = 53.00

Sub Registrar S
Distt. Bilaspur (M.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

जुज 1

राम उमर 65 साल वल्द तुलसी वल्द निहाला
पुरा परगाना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
श का हूँ जो के मुक़िर ज़ईफ़ व लागर शख्स
ज़ुस्सी से मामूली बिमार भी होता
जाता है इस लिये हर हाल में दीगरान
त व परवरिश का मोहताज है मुक़िर के 2
लकराम, जोधाराम व 3 दुख्तरान मु० प्रेमी,
मु० निर्मला व ज़ौजा मु० बोहती मौजूद हैं,
स्वाये जोधाराम पिसर खुद के दीगर जुमला
खुद की शादीयां कर चुका है, दुख्तरान
न मुक़िर जिन को के मुक़िर बवक्त करने
कूल सामान दहेज दे चुका है खुश खुश अपनी
अपने सुसराल में आबाद हैं, मु० बोहती
भी ज़ईफ़ व लागर हो अकसर बिमार
ी चली आने से दीगरान की खिदमत व
ी मोहताज हो चुकी है मुक़िर ने जोधाराम
की शादी की सबील कर उस के लिये भी
ान इकट्ठा कर लिया हुआ है मुक़िर व
ज़ौजा मुक़िर की ऐसी हालत में बालकराम,
पिसरान मुक़िर ही हर तरह से मुक़िर व

ना जुज 2

की देख भाल व खिदमत व परवरिश करते
त्याल जा कर आते चले आते हैं मुक़िर व मु०
जा मुक़िर खिदमात पिसरान मज़कूरान खुद
खुश हैं मुक़िर व मु० बोहती मज़कूरीया को
ी उनसे ऐसी ही खिदमत करते रहने की
हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा नहीं है
मुक़िर चाहता है के पिसरान मज़कूरान
कुछ सिल्ला खिदमात खुद व ज़ौजा खुद
दे तो मुक़िर जो कुछ जायदाद मनकूला व
ग़ैर मनकूला वाक्या कोडीपुरा परगाना सदर का मालिक व
काबिज़ है जुमला जायदाद मज़कूरा खुद पिसरान मज़कूरान

नकल

No 791863 1989

Himachal Government Judicial Paper

वसीयतनामा जुज 1

मनके गंगापतराम उमर 65 साल वल्द तुलसी वल्द निहाला सकना कोठीपुरा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लागर शख्स है और कुछ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला जाता है इस लिये हर हाल में दीगरान की खिदमत व परवरिश का मोहताज है मुज़हर के 2 पिसरान बालकराम, जोधाराम व 3 दुख्तरान मुस्मात प्रेमी, मुस्मात केसरी, मुस्मात निर्मला व ज़ौजा मुस्मात बोहरी मौजूद हैं, मुज़हर मासवाये जोधाराम पिसर खुद के दीगर जुमला बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है, दुख्तरान मज़कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक्त करने शादीयां माकूल सामान दहेज दे चुका है खुश असलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मुस्मात बोहरी ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की खिदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है मुज़हर ने जोधाराम पिसर खुद की शादी की सबील कर उस के लिये भी माकूल सामान इकट्ठा कर लिया हुआ है मुज़हर व मुस्मात बोहरी ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में बालकराम, जोधाराम पिसरान मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व मुस्मात बोहरी

दस्तखत गंगापतराम, मौसी मजकूर

Gangapat Ram

वसीयत नामा जुज 2

ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व खिदमत व परवरिश करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं मुज़हर व मुस्मात बोहरी ज़ौजा मुज़हर खिदमात पिसरान मज़कूरान खुद से बहुत खुश हैं मुज़हर व मुस्मात बोहरी मज़कूरीया को आयन्दा भी उन से ऐसी ही खिदमत करते रहने की तवक्को है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के पिसरान मज़कूरान खुद को कुछ सिल्ला खिदमात खुद व ज़ौजा खुद दे तो मुज़हर जो कुछ जायदाद मनकूला व गैर मनकूला वाक्या कोठीपुरा परगना सदर का मालक व काबज़ है अब जायदाद मज़कूरा खुद पिसरान मज़कूरान

दस्तखत गंगापतराम, मौसी मजकूर

Gangapat Ram

२०-८-१९९०

शुल्क
बस्ताम ... रुपये
किताब आर ...
... ६६०

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
२०/८/९०

बरखेत
बनीका गरापत सह ४२० तुलसी
नाका हवा ...
जिला बिलासपुर ... तहसील ...
तबानु २९साल १९१२ सौ ... दिनांक २०-८-१९९०
समय ५-०० ... रानिधन
बदर में ... कार्यालय सब रजिस्ट्रार ... पेश किया।

पेश कर्ता

gapcitpzum

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
२०/८/९०

№ 791864 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

खुद को ही देने का ख्वाहां है जो मुज़्हर की जायेदाद मज़्कूरा मामूली मालीयत की है, लेकिन अगलब है के बाद वफ़ात मुज़्हर जायेदाद मुज़्हर की निस्बत कोई शख्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब मुज़्हर बकायमी होश व हवास खमसा खुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़्हर हयात है जुमला जायेदाद हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़्हर जुमला

वसीयत नामा जुज़ 3

जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़्हर वाक्या कोठीपुरा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या हो के बालकराम, जोधाराम पिसरान जगतराम वल्द तुलसी सकना कोठीपुरा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसरान मुज़्हर मौसी बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों जो किसी भी दीगर शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़्हर मौसी से ना हो गा और हर दीगर वारस मुज़्हर मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़्हर मौसी से महरूम तसव्वर हो गा, बालकराम, जोधाराम मौसीरल्हम मज़्कूरान ही बहिस्सा मुसावी कामल मालकान व काबज़ान जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़्हर मौसी के हों जो किसी भी दीगर शख्स को मुज़्हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख कराने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़्हर मौसी ने पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तैहरीर ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पहले की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़्हर मौसी जाली व फर्जी

जगतराम, मौसी मज़्कूर
बक़लम खुद
[illegible]

२०/8/९०

वसीका पढ़ीलत

वसीका नामा हजा की ३.५५.८

हुरुफ व हरुफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका को समझा तहरीर व तामील को सुन व समझकर सही सलामत किया। इनकी शनाखत की मुस्व राम बाबू ने की है। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

छप्पन, जोधपुर।
राम सहाय।

मुन्शी

शनाखत कर्ता

ले इनराम बोहरा

Ganpat Ram

Sub Registrar Sadar

२०/8/९०

No. 791861 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

होने से रद्द तसव्वर होगी और वसीयत नामा हज़ा
पर पूरा पूरा अमल होगा, लेहज़ा वसीयत

वसीयत नामा जुज़ ५

नामा हज़ा लिख दिया कि सनद रहे। तेहरीर 20/8/९०

गवाह शुद	अलबद	गवाह शुद
धनी वल्द निक्का वल्द जीवा सकना नोग्रा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश	गणपतराम, मौसी मज़कूर gampat Ram	दयाराम वल्द सुन्दर वल्द मरन्जरा सकना कोठीपुरा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश दयाराम

उज़्र मसौदा लिखा गया सुन समझ कर दस्तख़त तसलीम किया। लेखक हरबंस सिंह अराईज़ व वसीका नवीस बिलासपुर (८१० 20/8/९०) मोहर
(नोट) वसीयत नामा हज़ा 660 अलफ़ाज़ पर मुश्तमल है।

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश नहीं है। नकल कुनिन्दा हरबंस सिंह अराईज़ व वसीका नवीस बिलासपुर

शामिल ८१० 20/8/९०